डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 20 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 30 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

एमडी ड्रग्स व डोडाचूरा के साथ पकड़े गए 2 युवक रिमाण्ड पर

पिपलिया मंडी, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बाइक सवारों से 9 किलो 34 ग्राम डोडाचूरा व 21 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की थी। आरोपी युवक यह मादक पदार्थ व ड्रग्स राजस्थान ले जा रहे थे। जिनसे पुलिस रिमाण्ड लेकर पूछताछ कर रही है। पिपलिया मंडी थाना पुलिस ने सोमवार शाम महू-नीमच हाईवे मार्ग थड़ोद बालाजी मंदिर के सामने वाहन चेकिंग के दौरान बाइक क्रमांक एमपी 14 एनई 3340 पर सवार दो युवकों को रोकना चाहा तो आरोपी बाइक घुमाकर भागने लगा। इस दौरान बाइक बंद हो गई। पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर तलाशी ली तो बेग से डोडाचूरा व एक प्लास्टिक थेली में भरी 21 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपनी पहचान जग्गाखेड़ी मंदसौर निवासी प्रेमनारायण पिता सत्यनारायण तेली व सरफराज पिता शमशेर पठान होना बताई। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया आरोपियों को मंगलवार को एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया गया। जहां से रिमाण्ड लेकर पूछताछ की जा रही है।

जांच में मिस्टर इंडिया हो रहा चिकनगुनिया

नेगेटिव आ रही रिपोर्ट, बुखार उतरने के पंद्रह दिन बाद भी जोड़ों में दर्द

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वास्थ्य विभाग के रिपोर्ट कार्ड में उंगलियों पर गिनने वाले केस ही रिपोर्ट हुए हैं। लेकिन, शहर के अमूमन सभी अस्पतालों में चिकनगुनिया के केस पहुंच रहे हैं। ओपीडी में 50 फीसदी मरीज बुखार के साथ जोड़ो में दर्द की समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। ज्यादातर घरों में चिकनगुनिया के लक्षण वाले मरीज मिल रहे हैं। कई मरीज ऐसे भी सामने आए हैं, जिन्हें बुखार उतरने के 15 दिन बाद भी जोड़ो में दर्द हो रहा है। इधर डॉक्टर्स कहते हैं कि 70 फीसदी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आती है।

इमारतों में रहने वाले कम प्रभावित...

दरअसल डेंगू, चिकनगुनिया को फैलाने वाला मच्छर उंची इमारतों तक नहीं उड़ता है। इसलिए ज्यादातर उन घरों में लोग प्रभावित हो रहे हैं जो इमारतों में नहीं रहते हैं। जहां जलजमाव है, वहां ज्यादा खतरा है। 10 साल के बच्चे से लेकर 70 साल तक के बुजुर्ग इससे प्रभावित हो रहे हैं।

साइड इफेक्ट... मुंह में छाले व एलर्जी की समस्या भी...

चिकनगुनिया की पीसीआर जांच महंगी होती है। एंटीबॉडी भी 7 दिन बाद बनती है। चिकित्सकों के अनुसार कई बार यह तीन महीने तक बना रहता है। 85 फीसदी मरीज 3 महीने में ठीक हो जाते हैं। चिकित्सकों के अनुसार इस बार कुछ मरीजों में मुंह में छाले व एलर्जी की समस्या भी देखी गई है। ठीक होने के बाद लंबे समय तक थकान बनी रहती है।

सामान्य दर्द निवारक दवा का असर नहीं...

चिकित्सकों के मुताबिक चिकनगुनिया जांच में पकड़ नहीं आ रहा है। लेकिन, बुखार खत्म होने के बाद बहुत दिन तक जोड़ो में दर्द रह रहा है। यह सामान्य दर्द निवारक दवा से भी ठीक नहीं हो रहा है। कोविड के दौरान मरीजों ने स्टेराइड का इस्तेमाल किया था। इसलिए अभी बॉडी पेन, जोड़ो में दर्द में स्टेराइड लेने में डर रहे हैं। डेंगू के मरीज भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। अगर 60 मरीज आ रहे तो 40 मरीज डेंगू के लक्षण वाले हैं। चिकनगुनिया के लक्षणों वाले मरीजों को भर्ती नहीं करना पड़ रहा है। लेकिन, डेंगू के मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है।

इसलिए जांच आ रही नेगेटिव...

डॉ योगेंद्र कोठारी ने बताया कि 70 से अधिक मामलों में जांच रिपोर्ट नेगेटिव आ रही है। लेकिन, लक्षण चिकनगुनिया या डेंगू के होते हैं। इसका कारण है कि बीमारी का वायरस म्युटेशन करता रहता है। सीधे सरल भाषा में यह अपना स्वरुप चेंज करता है। कोविड के वायरस ने भी अपने कई स्वरुप बदले। चिकित्सक लक्षण देखकर उपचार शुरु कर देते हैं।

जांच में नहीं आ रहा, उपचार जारी...

इस बार वायरल का असर नहीं जा रहा है। आमतौर पर इन दिनों में डेंगू, वायरल का असर कम होने लगता है। लेकिन, अभी ऐसा नहीं हो रहा है। ज्यादा दिनों तक बुखार बना रहता है। कई बार जांच रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं आ रही है, लेकिन मरीज में लक्षण डेंगू और चिकनगुनिया के हैं। हालांकि लक्षण देखकर चिकित्सक उपचार कर रहे हैं।

अफीम नीति घोषित, कई पट्टे हुए बहाल

सांसद गुप्ता ने केन्द्र सरकार का आभार माना

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए अफीम नीति घोषित कर दी है। इस अफीम नीति से कई अफीम किसानों के पट्टे बहाल हुए है। केन्द्र सरकार द्वारा सांसद सुधीर गुप्ता के सुझावों से किसान हितेषी अफीम पॉलिसी को जारी किया गया है। यह दावा सांसद श्री गुप्ता ने किया।

उन्होंने बताया कि नई अफीम पॉलीसी में गत वर्ष 2023-24 में जिन अफीम लाईसेंसधारी किसानों की फसल में मार्फिन की औसत मात्रा 4.2 प्रति किलोग्राम या उससे अधिक है, उन सभी किसानों को लेसिंग पद्धति के माध्यम से अफीम गोंद प्राप्त करना (लुवाई चिराई) वाला लाईसेंस मिलेगा। ऐसे काश्तकार जिन्होंने फसल वर्ष 2023-24 के दौरान पोस्त भूसा उत्पादन के लिए अफीम खेती की, जिन्होंने तोल केन्द्र पर पोस्त भूसा प्रस्तुत किया तथा जिनकी औसत उपज 900 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर या उससे अधिक थी, उनको भी अफीम गोंद प्राप्त करने (लुवाई चिराई) वाला लाईसेंस मिलेगा।

ऐसे किसान जिनके लाइसेंस अपील का निपटान हो गया है वो भी फसल वर्ष 2023-24 के लिए लाइसेंस के पात्र थे। लेकिन, किसी करणवश उन्होंने लाइसेंस प्राप्त नहीं किया है या जिन्होंने लाइसेंस प्राप्त करने के बाद किसी कारणवश अफीम की खेती नहीं की। ऐसे किसान भी पात्र होंगे।

सांसद श्री गुप्ता ने बताया कि अफीम गोंद प्राप्त करना (लुवाई चिराई) वाला लाईसेंस के तहत पात्र सभी काश्तकारों को केवल एक भूखण्ड में 0.10 हैक्टेयर का लाइसेंस जारी किया जाएगा। यदि किसान चाहे तो लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र को पूरा करने के लिए दूसरों की जमीन को पट्टे पर ले सकते हैं। सांसद गुप्ता ने बताया कि किसान जिनको फसल वर्ष 1995-96 के बाद से कभी भी लाइसेंस दिया गया था, लेकिन किसी कारण से उन्हें लाइसेंस जारी नहीं किया गया। उन्हें इस वर्ष सीपीएस पद्धति से लाइसेंस दिया जाएगा। वे किसान जिनका फसल वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक की अवधि में लाइसेंस निरस्त कर दिया गया था, लेकिन जिन्होंने 25 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर से अधिक न्यूनतम औसत उपज

प्रदान की हो, उन्हें इस वर्ष सीपीएस पद्धति से लाइसेंस दिया जाएगा। वर्ष 1995-96 मृतक होने की स्थिति में उनके वैध उत्तराधिकारी भी लायसेंस प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही सीपीएस पद्धति के लिए भी नोटीफिकेशन जारी हुआ है। सीपीएस पद्धति .. **शेष पेज 4 पर**

आयुर्वेद डाक्टरों की रिटायरमेंट उम्र अब 65 साल-सीएम

मंदसौर-नीमच मेडिकल कालेज का लोकार्पण

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के रिटायरमेंट की उम्र 62 साल से बड़ाकर एलोपैथी डॉक्टरों की तरह 65 साल होगी। आज मंदसौर और नीमच को मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज की सौगात मिली। 512 आयुर्वेदिक चिकित्सकों की आज नियुक्ति की है। पांच मेडिकल कॉलेज इसी सत्र में खुलेंगे। छह अगले सत्र में शुरू होंगे। अब सभी तरह के 57 मेडिकल कॉलेज एमपी में हो रहे हैं।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंदसौर मेडिकल कॉलेज के लोकार्पण अवसर पर कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के तीन मेडिकल कॉलेज समेत पांच नर्सिंग कॉलेज का वर्चुअली लोकार्पण और भूमिपूजन किया। ये मेडिकल कॉलेज- मंदसौर, नीमच और सिवनी में खोले गए हैं। तीनों मेडिकल कॉलेज में 100-100 एमबीबीएस सीटें हैं। प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) से लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े। प्रदेश के मुख्यमंत्री मंदसौर और नीमच में आयोजित कार्यक्रम में शरीक हुए। इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी सहभागिता की। सीएम डॉ. मोहन यादव ने धन्वंतरी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में आयुर्वेदिक डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र 65 साल करने की घोषणा की।

यहां होगी हार्टीकल्चर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव–सीएम ने कहा मंदसौर में अफीम और डोडाचूरा के माध्यम से काले सोने की खेती होती है। जो कोई नहीं कर सकता वो नीमच-मंदसौर करता है। अश्वगंधा, मूसली जैसी उपज होती है। आने वाले दिनों में नीमच-मंदसौर में हार्टीकल्चर के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करेंगे, ताकि औषधियों की खेती करने वाले किसानों को उपज के सही दाम मिल सकें। सीएम ने मंदसौर, सीतामऊ, सुवासरा फोरलेन रोड बनाने की भी घोषणा की।

देश में पहला राज्य जहां एयर एम्बुलेंस भेजेंगे: डॉ. मोहन–सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, देश में पहला राज्य मध्यप्रदेश है, जहां मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए हवाई जहाज भेजेंगे। जहां हवाई पट्टी है, वहां ऐसा करेंगे। जहां हवाई पट्टी नहीं है... **शेष पेज 4 पर**

धनतेरस पर बाजार में हुई धनवर्षा

दीपोत्सव के पहले दिन बाजार में बढ़ी रौनक, देर रात तक उमड़ती रही ग्राहकों की भीड़

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व के पहले दिन धनतेरस पर मंगलवार को बाजार में अच्छी धनवर्षा हुई। सुबह से लेकर देर रात तक बाजार में लोगों की चहल-पहल रही। शुभ मुहूर्त में लोगों ने जमकर खरीदारी की। व्यापारियों के अनुसार शहर में 15 करोड़ रुपए से अधिक के व्यवसाय का अनुमान है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में ही छह करोड़ से अधिक का व्यवसाय हुआ। शहर में लगभग 450 से अधिक बाइक और अन्य वाहनों की बिक्री हुई। वहीं सराफा, बर्तन व इलेक्ट्रॉनिक आइटम की दुकानों पर ग्राहकों की रौनक रही।

आमजन धनतेरस पर सुबह से तैयार होकर मंदिर पहुंचे व वापसी में बाजार में खरीदी प्रारंभ की। दोपहर बाद तो सभी मुख्य बाजारों में भीड़ ज्यादा बढ़ गई थी। पुलिस प्रशासन ने शहर के सभी मुख्य मार्गों पर चार पहिया वाहनों को प्रतिबंधित भी कर दिया। कालिदास मार्ग, गौतम नगर, धानमंडी, घंटाघर, सदर बाजार, सराफा बाजार, सम्राट मार्ग, दयामंदिर मार्ग सहित सभी प्रमुख बाजारों में दुकानों पर दिनभर ग्राहकी रही। बर्तन बाजार, सराफा बाजार, इलेक्ट्रॉनिक बाजार से लेकर ऑटोमोबाइल व्यवसायियों के चेहरे खिल उठे। देर रात 11 बजे तक बाजारों.. **शेष पेज 4 पर**

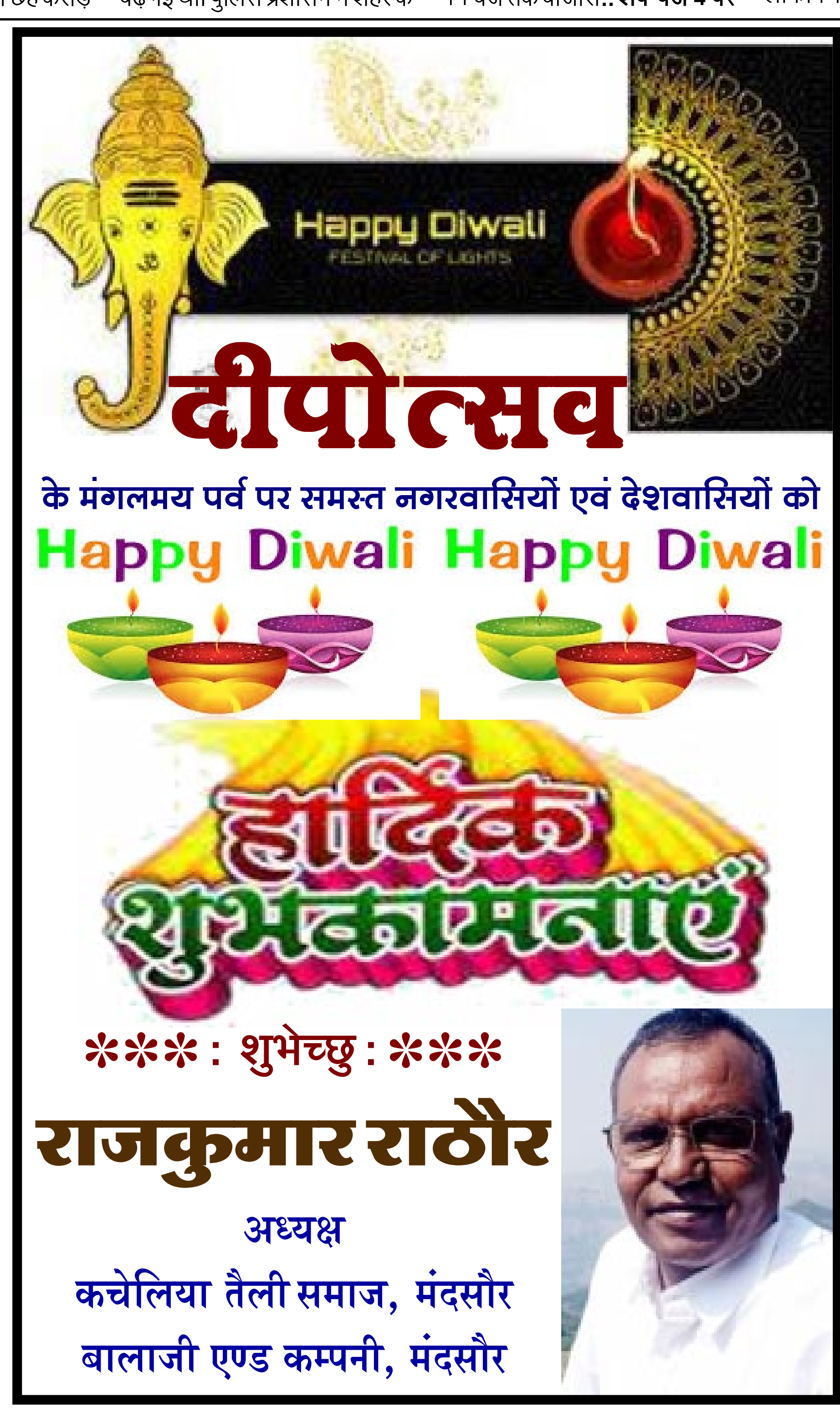

विचार-मंथन

क्या पिघलने लगी भारत और चीन के बीच रिश्तों की बर्फ

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पूरे विश्व की दृष्टि भारत के प्रधानमंत्री मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य होने वाली द्विपक्षीय वार्ता पर थी क्योंकि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को हल करने के लिए सहमति बन गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में वैश्विक स्तर की गम्भीर समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय है। प्रत्येक वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। युद्ध व आतंकवाद के कारण अशांत विश्व की दृष्टि अब वैश्विक शांति की स्थापना के लिए भारत की ओर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके लिए संकल्पवान हैं। प्रधानमंत्री मोदी रूस -यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-अरब के बीच चल रहे तनाव को कम करने के लिए नेताओं के संपर्क में हैं। तीसरी बार पद सँभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी दो बार रूस की यात्रा पर जा चुके हैं। 2024 लोकसभा चुनावों के पूर्व ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भारत और रूस के मध्य संबंधों में कुछ खटास आ रही है लेकिन रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के मध्य मैत्रीपूर्ण व्यवहार व वार्ता को देखकर राजनैतिक विश्लेषक आश्चर्यचकित रह गये। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पूरे विश्व की दृष्टि भारत के प्रधानमंत्री मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य होने वाली द्विपक्षीय वार्ता पर थी क्योंकि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को हल करने के लिए सहमति बन गई थी। भारत और चीन के शासनाध्यक्षों के मध्य यह वार्ता गलवान दुर्घटना के लम्बे अंतराल के हुयी जिससे लगा कि अब भारत और चीन के मध्य जमी बर्फ अब पिघल रही है। दोनों शासनाध्यक्षों की भेंट के बाद यह समाचार भी आ गया है कि भारत और चीन के मध्य हुए समझौते के अनुसार पूर्वी लद्दाख सेक्टर में डेमचोक और देपसांग से भारत और चीन के सैनिकों की वापसी आरम्भ हो गई है। यह भारत की बड़ी रणनीतिक, कूटनीतिक और सामरिक जीत है। डेमचोक में दोनों सेनाओं ने पांच -पांच टेंट हटा लिये हैं तथा यह प्रक्रिया लगातार जारी है। एक बार जब सभी टेंट और अस्थायी ढांचे पूरी तरह से हटा दिये जाएंगे तब एक संयुक्त सत्यापन प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। सत्यापन जमीन पर और हवाई सर्वेक्षण दोनों के माध्यम से किया जाएगा। प्रारम्भिक आपरेशन के अंतर्गत डेमचोक में भारतीय सैनिक चार्डिंग नाला के पश्चिमी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं और चीनी सैनिक नाला के पूर्वी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं।दोनों तरफ करीब 10 से 12 अस्थायी ढांचे और करीब 12 तंबू बने हुए हैं जिन्हें हटाया जा रहा है। देपसांग इलाके में चीन ने अपने सैनिकों व वाहनों की संख्या काफी कम कर दी है और भारतीय सेना ने भी अपने सैनिक वहां से कम कर दिये हैं। ताजा घटनाक्रम को लेकर चीन का वक्तव्य भी आ गया है कि भारत- चीन सीमा पर तनाव कम हो जाने के बाद लद्दाख में सैनिकों की वापसी आरम्भ हो गई है । इस वक्तव्य में कहा गया हे कि दोनों पक्षों की अग्रिम पंक्ति की टुकड़ियाँ सुचारू रूप से प्रासंगिक कार्य कर रही हैं, जो लंबे समय से चली आ रही गतिरोध चर्चाओं के बाद तनाव कम करने की शुरूआत है। ज्ञातव्य है कि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही कई दौर की वार्ता होने के बाद भारत के साथ सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में सहमति बनी थी अब वही सहमति धरातल पर उतारी जा रही है। यदि यह कार्य इसी प्रकार चलता रहा तो पूर्वी लद्दाख में मई 2020 के पूर्व की स्थिति वापस आ जाएगी। भारत और चीन के मध्य जो समझौता हुआ है उसके अनुसार पेट्रोलिंग को लेकर भी व्यापक सहमति बन गई है। अब सर्दियों के मौसम में दोनों देशों के सैनिक पीछे हटेंगे। यह बदले हुए भारत की मजबूत इच्छाशक्ति की जीत है। रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मोदी और शी जिनपिंग की वार्ता के बाद भारत और चीन के मध्य अन्य अनेक मुद्दों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना नजर आ रही है। पचास मिनट की बैठक में तय हुआ है कि भारत और चीन सीमा विवाद को स्थाई रूप से सुलझाने के साथ - साथ आर्थिक मोर्चे पर भी मिलकर काम करेंगे।

तेल की मांग में कमी और सप्लाई में बढ़ोतरी

पी.वी. राव

इन लाभों को इलेक्ट्रिक कार की बिक्री में वृद्धि, पारंपरिक वाहनों में ईंधन दक्षता में सुधार, मध्य पूर्व में बिजली उत्पादन के लिए तेल के उपयोग में कमी और संरचनात्मक आर्थिक बदलावों जैसे कारकों से तेजी से ऑफसेट किया जाएगा. ताजा रिपोर्ट का अनुमान है कि वैश्विक तेल की मांग, जिसमें जैव ईंधन भी शामिल है, 2023 में औसतन 102 मिलियन बैरल प्रति दिन से थोड़ा अधिक है, इस दशक के अंत तक 106 मिलियन बैरल प्रति दिन के करीब स्थिर हो जाएगी. इसके समानांतर संयुक्त राज्य अमेरिका और अमेरिका के अन्य उत्पादकों के नेतृत्व में वैश्विक तेल उत्पादन क्षमता में वृद्धि, अब से 2030 के बीच मांग वृद्धि को पीछे छोड़ देगी. रिपोर्ट में पाया गया है कि 2030 तक कुल आपूर्ति क्षमता लगभग 114 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक बढ़ने का अनुमान है, जो अनुमानित वैश्विक मांग से 8 मिलियन बैरल प्रतिदिन अधिक है. इसके चलते 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के चरम के अलावा पहले कभी नहीं देखी गई अतिरिक्त क्षमता का स्तर होगा. ऐसे स्तरों पर अतिरिक्त क्षमता का तेल बाजारों के लिए महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं - जिसमें OPEC और उससे आगे की उत्पादक अर्थव्यवस्थाएं, साथ ही साथ यूएस शेल उद्योग भी शामिल है. जैसे-जैसे महामारी की वापसी धीमी होती जा रही है, क्लीन एनर्जी ट्रांजैक्शन आगे बढ़ रहा है और चीन की अर्थव्यवस्था की संरचना बदल रही है, वैश्विक तेल मांग में वृद्धि धीमी हो रही है और 2030 तक अपने चरम पर पहुंचने वाली है. यह उम्मीद की जा रही है कि इस साल डिमांड प्रति दिन लगभग 1 मिलियन बैरल बढ़ जाएगी. लेटेस्ट आंकड़ों के आधार पर आईईए रिपोर्ट के अनुमान इस दशक में एक प्रमुख आपूर्ति अधिशेष को दर्शाते हैं, जो यह दर्शाता है कि तेल कंपनियां यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि उनकी व्यावसायिक रणनीतियां और योजनाएं होने वाले परिवर्तनों के लिए तैयार हों. जब तक कि मजबूत नीतिगत उपाय लागू नहीं किए जाते या व्यवहार में बदलाव नहीं होता तब तक विकास में मंदी के बावजूद ग्लोबल तेल की मांग 2030 में 2023 की तुलना में 3.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन अधिक रहने का अनुमान है. यह वृद्धि एशिया में उभरती अर्थव्यवस्थाओं - विशेष रूप से भारत में परिवहन के लिए अधिक तेल उपयोग और विशेष रूप से चीन में तेजी से बढ़ते पेट्रोकेमिकल उद्योग से जेट ईंधन और फीडस्टॉक्स के अधिक उपयोग से प्रेरित है. इसके विपरीत, एडवांस इकोनॉमीज में तेल की मांग में दशकों से चली आ रही गिरावट जारी रहने की उम्मीद है, जो 2023 में लगभग 46 मिलियन बैरल प्रतिदिन से गिरकर 2030 तक 43 मिलियन बैरल प्रतिदिन से कम हो जाएगी. महामारी के दौरान को छोड़कर, पिछली बार एडवांस अर्थव्यवस्थाओं से तेल की मांग इतनी कम 1991 में थी. ओपेक+ के बाहर के प्रोड्यूसर इस अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए वैश्विक उत्पादन क्षमता के विस्तार का नेतृत्व कर रहे हैं, जो 2030 तक अपेक्षित वृद्धि का तीन-चौथाई हिस्सा है. अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका गैर-ओपेक+ लाभ के 2.1 मिलियन बैरल प्रतिदिन के लिए जिम्मेदार है, जबकि अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा और गुयाना प्रति दिन 2.7 मिलियन बैरल का योगदान देते हैं. रिपोर्ट के पूर्वानुमान में पाया गया है कि जैसे-जैसे इस दशक के अंत में स्वीकृत परियोजनाओं का प्रवाह कम होता जाएगा, प्रमुख गैर-ओपेक+ उत्पादकों के बीच क्षमता वृद्धि धीमी हो जाएगी और फिर रुक जाएगी. हालांकि, अगर कंपनियां पहले से ही ड्राइंग बोर्ड पर अतिरिक्त परियोजनाओं को मंजूरी देना जारी रखती हैं, तो 2030 तक गैर-ओपेक+ क्षमता के 1.3 मिलियन बैरल प्रतिदिन चालू हो सकते हैं. रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक रिफाइनिंग क्षमता 2023 और 2030 के बीच 3.3 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक बढ़ने की राह पर है, जो ऐतिहासिक रुझानों से काफी कम है. हालांकि, इस अवधि के दौरान रिफाइंड तेल उत्पादों की मांग को पूरा करने के लिए यह पर्याप्त होना चाहिए, क्योंकि जैव ईंधन और प्राकृतिक गैस तरल पदार्थ जैसे गैर-रिफाइंड ईंधन की आपूर्ति में एक साथ उछाल आया है. इससे आउटलुक अवधि के अंत में रिफाइनरी बंद होने की संभावना बढ़ जाती है, साथ ही 2027 के बाद एशिया में क्षमता वृद्धि में मंदी आ सकती है. मध्य पूर्व में अस्थिरता के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं. यदि इजराइल ईरान के तेल और गैस बुनियादी ढांचे पर हमला करने की अपनी धमकियों पर अमल करता है, तो इससे कीमतों में और वृद्धि हो सकती है. ईरान, जो प्रतिदिन लगभग 3.3 मिलियन बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है, होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक करके जवाबी कार्रवाई कर सकता है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति में बड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है. वास्तविक समस्या बहुत अधिक कीमत होगी, जो हमारी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ नीति निर्माताओं के लिए भी एक बड़ी चुनौती होगी. भारत अपनी कुल तेल आवश्यकताओं का 88 प्रतिशत आयात करता है, मुख्य रूप से रूस, इराक, सऊदी अरब, अबू धाबी और अमेरिका से. भारत अभी भी काफी हद तक तेल आधारित अर्थव्यवस्था है. हालांकि, संघर्ष से तेल की कीमतों पर जोखिम प्रीमियम बढ़ता है, लेकिन कमजोर वैश्विक मांग अनुमान, चीन की आर्थिक सुधार को लेकर अनिश्चितता और ओपेक+ द्वारा उत्पादन में कटौती वापस लेने की संभावना प्रभाव को कम कर सकती है. इसके अतिरिक्त, लीबिया जैसे देशों में तेल उत्पादन फिर से शुरू होने से कुछ राहत मिल सकती है. हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अभी भी भारत की अर्थव्यवस्था और नीति निर्माताओं के लिए एक बड़ी चुनौती बनी रहेंगी. भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता केंद्रीय बैंकों को बढ़ती तेल कीमतों और मध्य पूर्व में संघर्षों से प्रभावित होकर दरों में कटौती पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकती है।

प्रशांत किशोर के समक्ष बड़ी चुनौतियां

शशि शेखर

जाति का जाल-बिहार या कमोबेश उत्तर भारत की राजनीति में जाति का जलवा कुछ उसी तरह का है कि आधी रोटी खाएंगे, एटम बम बनाएंगे। मतलब, जाति के लिए विकास (राज्य या खुद का) को त्यागने में यहां सैकेंड भी नहीं लगते। इस स्थिति में प्रशांत किशोर की खुद की जाति एक बहुत बड़ी चुनौती होगी। हालांकि, यह ऐसी चुनौती भी नहीं है, जिसे तोड़ा न जा सके। लेकिन, वे इसे कैसे तोड़ेंगे, यह महत्वपूर्ण है। सिर्फ विकास-विकास की रट लगाने भर से काम नहीं चलने वाला, क्योंकि ऐसा कौन सा नेता है जो कहता है कि हम बिहार का 'विनाश' करना चाहते हैं। आधी आबादी की नाराजगी-शराबबंदी को लेकर प्रशांत किशोर ने खुलेआम कह दिया है कि उनकी सरकार बनी तो पहली बैठक में शराबबंदी हटाएंगे और उससे होने वाली कमाई से शिक्षा पर खर्च करेंगे। सुझाव बहुत अच्छा है। नीयत भी अच्छी लगती है। लेकिन, राजनीतिक रूप से नीतीश कुमार ने इस मुद्दे को बिहार की आधी आबादी के सैंटीमेंट से जोड़ दिया है और बहुत गहराई से जोड़ दिया है, जिसका फायदा रह-रह कर उन्हें चुनाव में मिलता भी है। वैचारिक अस्पष्टता-यह सवाल बड़ा स्टीरियोटाइप लगता है लेकिन है बहुत महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक असर वाला भी, क्योंकि आप लाख विकास करें, एक मोड़ ऐसा आता है जहां आपको कुछ निर्णय लेने होते हैं, जिसके लिए आपके पास एक वैचारिक आधार होना चाहिए। मसलन, आरक्षण हो या पूंजी का विषय, आप किधर जाएंगे, कैसे जाएंगे। आप लैफ्ट हैं, राइट हैं, सैंटर हैं, सैंटर टू राइट हैं या सैंटर टू लैफ्ट हैं। तो, आपको यह साफ करना होगा, सीना ठोक कर बोलना होगा कि हम ये हैं। एरोगेंस-हम सी.एम. और विधायक बनाते हैं। चुनाव जितवाना हमें आता है। लोकतंत्र में एरोगेंस के लिए कोई जगह नहीं होती। कुछ दिन, कुछ साल यह एरोगेंस चल भी जाए, तो लंबी रेस के घोड़े को विनम्र होना ही चाहिए। स्वयं प्रशांत किशोर में एरोगेंस बहुत अधिक है, ऐसा मैंने कई बार महसूस किया है। संभव है कि मेरी समझ या फीड्सलग गलत हो लेकिन एक आम अवधारणा यही है। टिकट वितरण-एक नजर जब टिकट वितरण पर दौड़ाता हूं, तो पाता हूं कि इनकी पार्टी में विविध किस्म के लोगों ने एंट्री ली है। आई.ए.एस.-आई.पी.एस. छोड़िए, कर्पूरी ठाकुर जी की पोती, पवन वर्मा, देवेन्द्र यादव जैसे लोग जहां एक तरफ हैं, वहीं वकील, डाक्टर, शिक्षाविद् भी हैं। लेकिन, अद्भुत रूप से इनकी पार्टी में बड़ी संख्या में बिहार के नव-धनाढ्यों ने भी एंट्री ली है। विकास का ब्लू प्रिंट-इस मसले पर उनका कहना है कि उनकी एक बड़ी और खरी टीम इस पर काम कर रही है। पहले विकास का ब्लू प्रिंट पार्टी की स्थापना दिवस पर ही आना था लेकिन अब संभवतः अगले साल मार्च तक ही आ पाएगा। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि उनकी राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यही है, जिसे आने में, सार्वजनिक करने में और प्रचारित-प्रसारित करने में सर्वाधिक समय लग रहा है। कायदे से यह काम सबसे पहले होना चाहिए था और इसे बिहार के लोगों के दिलो-दिमाग में बिठा देना चाहिए था। इसमें देरी का अर्थ है कि लोग इसे जब तक समझेंगे, इस पर विचार करेंगे, इस पर बहसबाजी होगी, तब तक चुनाव का वक्त आ जाएगा। फिर, वह दीर्घकालिक विकास मॉडल या तात्कालिक राहत देने वाले उपाय लेकर आते हैं, यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा। सी.एम. फेस-2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का काम प्रशांत किशोर देख रहे थे। पार्टी दफ्तर में 10 गारंटी कार्यक्रम लांच होना था। मंच पर सिर्फ एक कुर्सी लगाई गई थी। मैंने जानकारी ली तो कहा गया कि यह प्रशांत किशोर का आइडिया है कि मंच पर अकेले सिर्फ केजरीवाल होंगे। रणनीतिक रूप से यह ठीक भी था, क्योंकि अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में भारतीय चुनाव भी व्यक्ति केन्द्रित, फेस सैंटर्ड हो गए हैं। फिर चाहे मोदी जी हों, योगी जी हों, नीतीश कुमार हों या कोई अन्य। ऐसे में, बिहार में जन सुराज की तरफ से सी.एम. फेस कौन प्रोजैक्ट होगा, कब तक होगा, यह बड़ा सवाल है। प्रशांत किशोर यह कहकर नहीं बच सकते कि विधायक सी.एम. को चुनेंगे। यह सब बकवास की बातें हैं। संघर्ष का अभाव-बिहार में हाल के दिनों में अपराध की वीभत्स घटनाएं घटीं।

भारत-जर्मनी के निरंतर प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को ऐसे समझिए

भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है। भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय सम्बन्ध वैसे नहीं हैं, जैसे भारत और फ्रांस के हैं, भारत और इजरायल के हैं, भारत और जापान के हैं या फिर भारत और ऑस्ट्रेलिया के हैं। यही नहीं, भारत और जर्मनी के आपसी सम्बन्ध भारत और अमेरिका या भारत और इंग्लैंड जैसे भी नहीं हैं। इसलिए भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाना दोनों देशों के नेतृत्व के लिए बहुत जरूरी है। बहुचर्चित तानाशाह हिटलर की भूमि जर्मनी में भारत और भारतीयों की दिलचस्पी स्वाभाविक है। जर्मनी से भारत के प्रगाढ़ रिश्ते इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि पारस्परिक कारोबार बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को एक और दिलाजिज मित्र का साथ मिले, उसी तरह से जैसे कि फ्रांस देता आया है। हालांकि, गत दिनों भारत के दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और इंडिया के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जो रणनीतिक बातचीत हुई है, उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि जर्मनी का नेतृत्व भी वैश्विक नजाकत और जरूरत को देखते हुए भारत के प्रति अपने पुराने रुख में बदलाव ला रहा है, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। वास्तव में, फोकस ऑन इंडिया और लेबर स्ट्रैटिजी नाम से जारी दो जर्मन रिपोर्ट्स में इस बात का जिक्र किया जा चुका है कि जर्मनी में भारतीय मूल के ढाई लाख लोग हैं, जिनमें छात्र और स्किल्ड प्रोफेशनल्स शामिल हैं। हालिया वर्षों में यह संख्या दुगुनी हुई है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे समझा है और भारत के दौरे के क्रम में कहा भी है कि दुनिया में हमें मित्रों और सहयोगियों की आवश्यकता है- जैसे भारत और जर्मनी हैं। प्रिय मोदी जी, नई दिल्ली में स्नेहपूर्वक स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद। चूंकि जर्मनी में भारत से नजदीकी सम्बन्धों पर पार्टी लाइन से अलग सामूहिक राजनीतिक सोच सामने आई है। क्योंकि दोनों देशों के बीच माइग्रेशन रिश्तों की अहम कड़ी बनकर उभरा है। इसलिए दोनों देशों के बदलते और नव प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को समझने की जरूरत है। पहला, भारत और जर्मनी के बीच 18 डाक्यूमेंट्स पर साझा सहमति बनी है। जिसमें म्यूचुअल लीगल असिस्टेंट इन क्रिमिनल मैटर्स, क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन, ग्रीन हाइड्रोजन रोड मैप, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर रोड मैप, श्रम और रोजगार, अडवांस मटीरियल्स में रिसर्च एंड डिवेलपमेंट को लेकर सहयोग, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप, के साथ स्किल डिवेलपमेंट और वोकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग में सहयोग सहमति बनी है, जिससे न सिर्फ दोनों देश लाभान्वित होंगे बल्कि समकालीन विश्व के देशों को भी इससे फायदा पहुंचेगा। क्योंकि भारत हमेशा तीसरी दुनिया के देशों यानी ग्लोबल साउथ की बात करता आया है। वहीं, भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है।

मुख्यमंत्री को मंदसौर नागरिक मंच ने संभाग बनाने की मांग का ज्ञापन सौंपा और पोस्टकार्ड भेंट किये

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत चल रहे अभियान में मंदसौर नागरिक मंच द्वारा 29 अक्टूबर मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंदसौर प्रवास के अवसर पर जिला राजपूत समाज के बालिका छात्रावास के लोकार्पण समारोह स्थल पर ज्ञापन दिया गया और पोस्टकार्ड भी भेंट किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, वरिष्ठ समाजसेवी गुरु चरण बग्गा, सेवानिवृत न्यायाधीश रघुवीर सिंह चुंडावत, मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक द्वय नरेंद्र अग्रवाल, बृजेश जोशी तथा अभियान के सदस्य सर्व श्री नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, एम पी सिंह परिहार, बंसीलाल राठौर और कार्यालय प्रभारी प्रदीप भाटी आदि उपस्थित थे ।मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक द्वय नरेंद्र अग्रवाल और बृजेश जोशी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को अवगत कराया कि 2 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक 24 दिनों तक मंदसौर क्षेत्र की जनता और लगभग 80 सामाजिक संगठनों संस्थाओं और समाजो की इकाइयों ने आपके नाम पोस्टकार्ड लिखकर मंदसौर को संभाग बनाने की मांग की है और आपको प्रत्यक्ष यह ज्ञापन देकर और पोस्टकार्ड भेंट कर हम निवेदन करते हैं कि जल्द ही मंदसौर को संभाग बनाने की घोषणा आप करें। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंदसौर नागरिक मंच के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि जल्द ही इस विषय में विचार किया जाएगा।

धनतेरस पर पूजन अर्चन कर सबके खुशहाली की कामना की

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मेवाड़ा सेन समाज पंचायत श्री सत्यनारायण श्री बालाजी मंदिर खानपुरा परिवार द्वारा धनतेरस के पावन पर्व पर मंदिर में विराजित भगवान व श्री विग्रहों का पूजन अर्चन कर आरती की गई तथा सभी के खुशहाली की कामना की।

समाज के सभी युवाओं ने धन्वन्तरि जयंती पर प्रात: मंदिर की साफ-सफाई कर मंदिर को साज-सज्जा की गई। मंदिर में आकर्षक विद्युत सज्जा कर फूलों से सजाया गया। आरती के लाभार्थी राकेश बाबूलाल मारोठिया परिवार थे। समाज अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया ने बताया कि समाज के मंदिर में भगवान सत्यनारायणजी की चमत्कारी प्रतिमा विराजित है। साथ ही मंदिर गर्भगृह में सेनजी महाराज एवं माँ नारायण माता के श्री विग्रह है तथा मंदिर परिसर में भगवान बालाजी, भोलेनाथ, भैरवनाथ के मंदिर भी है। वहीं सेन समाज के आराध्य श्री अनुरागी बापू की प्रतिमा भी है। भगवान व सभी श्रीविग्रहों को आकर्षक श्रृंगार कर पूजन अर्चन व आरती की गई। तथा दीपावली पर्व का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ जगदीशचन्द्र मारोठिया साईकृपा, सत्यनारायण सकवाया, फकीरचन्द परिहार, सत्यनारायण मारोठिया, प्रकाश मारोठिया, अशोक चौहान, राकेश मारोठिया, दिनेश गेहलोद, महेश परिहार, मुकेश सेन रानाखेड़ा, सतीश परिहार, आदित्यसेन मारोठिया, ब्रजेश सेन मारोठिया, मंदिर के माली महेश एवं सहयोगी कारू भाई सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। आभार आदित्यसेन मारोठिया ने व्यक्त किया। उक्त जानकारी महेश परिहार ने दी।

देश प्रथम का महामंत्र है दीपावली...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिस प्रकार से शरीर मे प्राणवायु के महत्व को कोई भी अस्वीकार नही कर सकता ठीक वही भूमिका हमारे देश भारत और हमारी भारतीय संस्कृति में उत्सवो की है। भारत ही नही बल्कि सात समंदर पार भी भारतीय संस्कृति के सबसे बडे उत्सव दीपावली की रौनक रहती हे।यह दीपावली उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड या कहे की पूजन तक सीमित नही हे बल्कि यह भारतीय सनातन संस्कृति और उससे जुड़े प्रत्येक अंग की अभिव्यक्ति का प्रकट भाव हे। भारतीय संस्कृति में दीपावली सबसे वैभवशाली उत्सव हे।

दीपावली देश का सबसे बड़ा उत्सव ही नही हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और परम्पराओ को प्रकाशमान करने वाला भव्य एवम दिव्य आयोजन भी है। इस उत्सव को लेकर कई धार्मिक व सांस्कृतिक संदर्भ है किंतु वे सभी प्राणिमात्र के कल्याण और सभी के सुख की कामना करते है। सर्वत्र सुख का वास हो और समाज सदैव समरस होकर रहे। प्रकाश पर्व के इस संदेश को आत्मसात करने के लिए यह आवश्यक है कि आपसी प्रेम-भाव के साथ देशप्रेम के भी दीप जलाए जाएं। दीपावली के जगमग प्रकाश में प्रत्येक भारतीय को अपने-अपने स्तर पर ऐसे प्रयास करने के लिए संकल्प लेना चाहिए जिनसे सामाजिक और आर्थिक स्तर पर देश का मान बढाने वाले उन लक्ष्यो की प्राप्ति की जा सके जो हमारे समक्ष है और जिन्हे प्राप्त किया जा सकता है। लक्ष्यो को पाने में आसानी तब होगी जब राष्ट्रीय एकता-अखंडता की रक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध रहेंगे और हमारे राष्ट्रीय दायित्व को भी समझेंगे। इस पुनीत कार्य के लिए अमावस्या की घोर रात्रि में भी प्रकाश की विजय पताका फहराने वाले उत्सव दीपावली से बेहतर अवसर क्या हो सकता है ? एक नन्हा मिट्टी का दीपक हमे अंधकार से लड़ने का सांकेतिक साहस प्रदान करता है। दीपावली की जगमगाहट में जब हम श्रीराम का स्मरण करने वाले है तब क्यों न उनकी मर्यादा, सीख, समर्पण, त्याग और अनुशासन को आत्मसात किया जाए। जब तक देश के जन-जन में राम के आदर्शो पर चलने का भाव जागृत नही होगा तब तक दीपावली मनाने की सार्थकता भी नही होगी। ऐसे में दीपावली के अवसर पर भगवान राम के चरित्र का अनुशीलन हमे बल प्रदान करेगा। दीपोत्सव का यह उजास देश की समस्याओ और अनियमितताओं के अंधकार को समाप्त कर के संभावनाओ एवम आशाओ से पूरित कर के देश के नव निर्माण में नया मार्ग प्रशस्त करने का निम्मित बनेगा ऐसा विश्वास है। हम आग में तपकर कुंदन बने।हमारी मलिनताएं धूल जाए और अपवित्र भावनाएं जलकर भस्म हो जाए। दीपावली सही अर्थों में राष्ट्रीय जागरण का उत्सव हे। दीपोत्सव के इस पवित्र उत्सव पर राष्ट्रोत्थान के संकल्प की ज्योति हमारे हृदय में अखण्ड प्रज्वलित होकर हमे सतत ध्येय पथ पर अग्रेसर रखे आज के इस महान उत्सव पर इन्ही मंगलकामनाओं के साथ दीपावली की शुभकामनाएं...

गौरव सोनी, मंदसौर

रासेयो स्वयंसेवकों ने बड़े अस्पताल में सेवा कार्य किया

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के वॉलंटियर्स द्वारा युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर दिवाली विद माय भारत थीम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मंदसौर में सेवा कार्य कर दिवाली मनाई एवं मरीजों को फल भेंट किए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने बताया कि पूरा देश जब दिवाली मना रहा है ऐसे में जो बीमार रोगी है, उनकी सेवा करके दिवाली क्यूं न मनाई जाएं। उनके चेहरे पर भी एक मुस्कान हो, ऐसे में रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा रोगियों की चिकित्सा में सहायता कर और उन्हें फल भेंट कर उनके साथ दिवाली मनाई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता, डॉ. राजेश सकवार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य, अशोक धनोतिया पर्यावरणविद व बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित थे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री के मंदसौर आगमन पर विधायक विपिन जैन ने स्वागत कर...

मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मांग पत्र सौंपे

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव मंदसौर जिले में मैं मेडिकल कॉलेज के उद्धाटन समारोह में आए थे । इसी दौरान मंदसौर विधानसभा के जागरूक विधायक श्री विपिन जैन ने मंच पर उनका स्वागत कर मंदसौर विधानसभा से जुड़े विकास कार्यों के संबंध में चर्चा कर मांग पत्र उनको सौंप कर अवगत कराया । जिसमें प्रमुख बिंदु इस प्रकार है –

✻ मंदसौर जिला चिकित्सालय में एचडीपी मशीन की स्थापना के संबंध में ✻ शिवना नदी पर बैराज निर्माण किए जाने हेतु ✻ क्षेत्र में घोड़ारोज़ की समस्या के निराकरण हेतु ✻ डोडाचूरा को एनडीपीएस एक्ट से बाहर निकाले जाने के संबंध में ✻ मंदसौर को संभाग बनाए जाने के संबंध में ✻ मंदसौर पशुपतिनाथ लोक परिसर हेतु दूसरे चरण की राशि स्वीकृत करने के संबंध में ✻ मंदसौर स्थित कालाखेत क्षेत्र और उससे लगे क्षेत्र से अतिक्रमण को मुक्त करने हेतु ✻ कयामपुर सीतामऊ दाबयुक्त सिंचाई परियोजना मंदसौर क्षेत्र में विस्तार करने के संबंध में ✻ शिवना नदी के सुंदरीकरण हेतु राशि स्वीकृत करने ✻ लेबड नयागांव फोरलेन पर स्थित ग्रामीण क्षेत्रों में सर्विस लेन को बढ़ाया जाने के संबंध में।

मंदसौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत निम्न ग्रामीण सड़कों के निर्माण हेतु मांग पत्र सौंपे- ✻ बनी से माऊखेड़ी तक ✻ ग्राम चांदाखेड़ी फंटे से खजुरिया तक ✻ भंडारिया से गरोड़ा तक ✻ दमदम से हासली तक ✻ सोनगिरी से बागिया तक ✻ दलोदा सगरा से लखमाखेड़ी तक ✻ सिंदपन से साबाखेड़ा तक ✻ बोहराखेड़ी से चिकलिया तक ✻ छाजूखेड़ा से रसूलपुर तक ✻ करौली से भरड़ावद तक ✻ पित्याखेड़ी जागीर से गोलमगरी तक ✻ धारिया खेड़ी से रलायता तक ✻ रलायता से बायपास मार्ग नीमच रोड तक ✻ गल्याखेड़ी से मजेठी व्हाया दावतखेड़ी तक ✻ बादाखेड़ी से खजूरी बढ़ायला तक ✻ नौगांवा से अंबावा तक ✻ पलसोड़ा से धंधोंडा तक ✻ सरसोद भीमरुंडी गौशाला गुराडिया शाह तक।

✻ अवकाश सूचना ✻

दैनिक गुरु एक्सप्रेस समाचार पत्र का दिनांक 27 अक्टूबर व 28 अक्टूबर 2024 को प्रकाशन नहीं हो सका था, जिसका हमें खेद है।

सम्पादक

भगवान श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर पर आज चल समारोह के साथ पोशाख व ध्वजा चढ़ाई जाएगी

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नगर के जनकुपूरा गणपति चौक स्थित अति प्राचीन श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर पर दीपोत्सव भव्य रूप से मनाया जा रहा है। आज रूप चौदस देव दिवाली के उपलक्ष्य पर प्रतिवषार्नुसार इस वर्ष भी ढोल नगाड़ों के साथ भगवान श्री लक्ष्मीनारायण जी को विशाल चल समारोह के साथ पोशाख व मंदिर पर ध्वजा चढ़ाई जाएगी। आज 30 अक्टूबर 2024 बुधवार प्रात: 10.00 बजे एक चल समारोह प्रारंभ होगा जो श्री जाटो का मंदिर शुक्ला चौक, मोदी पान कॉर्नर के सामने नयापुरा रोड से एकत्रित होकर ध्वजा यात्रा के साथ श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर पहुंचेंगा। जिला धार्मिक उत्सव समिति मंदसौर ने नगर की जनता से अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार कार्यक्रम में पधारनें का निवेदन किया है।

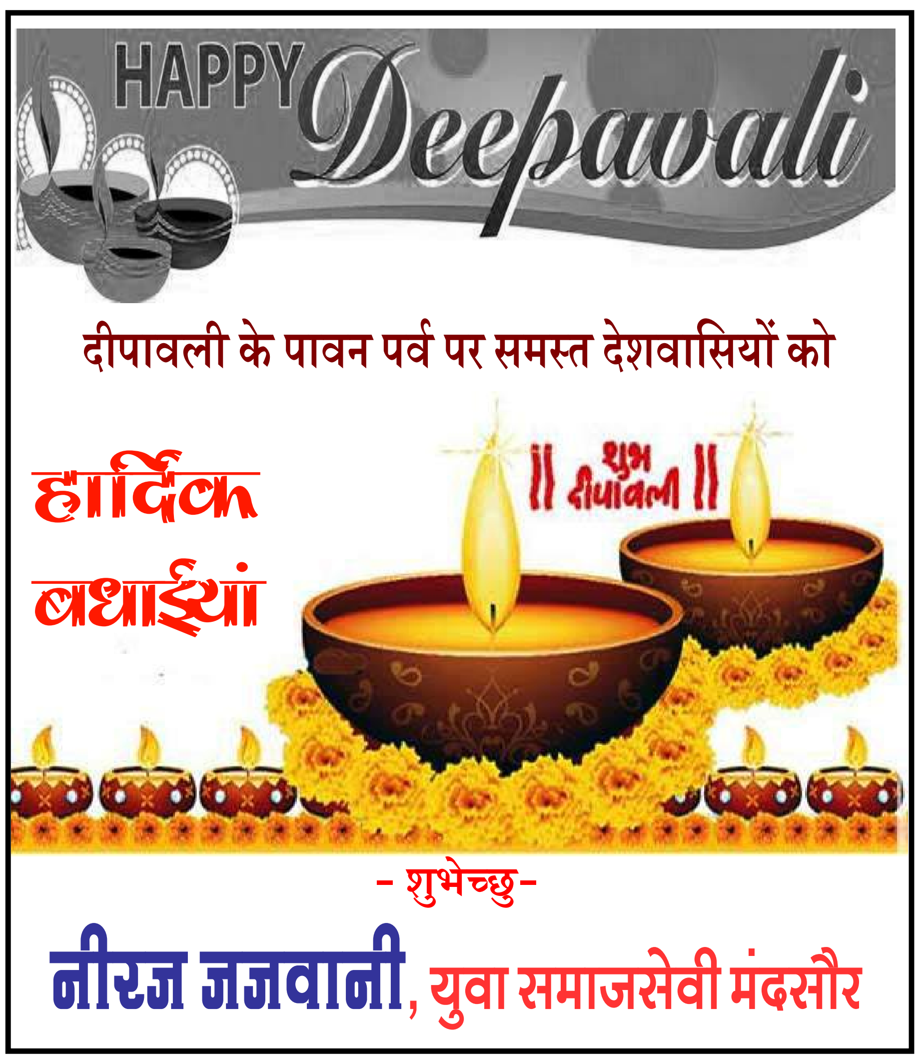

कलेक्टर द्वारा आज स्थानीय अवकाश घोषित

नीमच, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन द्वारा अधिसूचना 21 दिसंबर 2023 द्वारा वर्ष 2024 के लिए अवकाश घोषित किए गए है। इसी अनुक्रम में निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंटस एक्ट 1881 की धारा 25 के अंतर्गत एक नवंबर 2024 दिन शुक्रवार को गोवर्धन पूजा एवं 3 नवंबर 2024 रविवार को भाईदूज के उपलक्ष्य में सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है, कि 3 नवंबर 2024 को रविवार होने से शासकीय अवकाश है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा 15 फरवरी 2024 व आदेश क्रमांक 450-451 दिनांक 4 अप्रेल 2024 से दिनांक एक नवम्बर 2024 को उपखण्ड नीमच, मनासा, जावद में स्थानीय अवकाश(दीपावली का दूसरा दिन) है तथा उपखण्ड मनासा में 30 अक्टूबर 2024 को रूप चौदस का स्थानीय अवकाश है। कलेक्टर श्री चंद्रा द्वारा उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुवे उपखण्ड नीमच व जावद में एक नवम्बर 2024 को स्वीकृत अवकाश(दीपावली का दूसरा दिन) की जगह रूप चौदस पर आज 30 अक्टूबर 2024 को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। यह स्थानीय अवकाश उपखण्ड नीमच व जावद में तहसील नीमच, नीमच नगर, जीरन, जावद एवं सिंगोली में प्रभावशील रहेगा।

महंगाई राहत के लिये मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मन्दसौर द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को 29 अक्टूबर को मन्दसौर प्रवास पर पेंशनरों को भी जनवरी 2024 से 50 प्रतिशत महंगाई राहत देने के लिये ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर पेंशनर महासंघ जिलाध्यक्ष अशोक रामावत, जिला सचिव चन्द्रकान्त शर्मा, कोषाध्यक्ष कोमल वाणवार, नगर सचिव अशोक नागदा, जनकूपुरा अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, सचिव भूपेन्द्र तिवारीआदि उपस्थित थे। यह जानकारी भूपेश पाण्डे ने दी।

पुष्पांजली/उठावना

पूर्व प्राचार्य ठाकुर विजयसिंह जी

चौहान की धर्म पत्नी एवं शिक्षक अजयसिंह चौहान एवं राजेशसिंह चौहान की माता जी श्रीमती सुशीला देवी चौहान का दिनांक 27 अक्टूबर को देवलोक गमन हो गया है। पुष्पांजली/उठावना दिनांक 30 अक्टूबर बुधवार को प्रात: 10.30 बजे निज निवास स्थान नाकोडा नगर मंदसौर पर रखा है।

❁❁❁ शोकाकुल ❁❁❁
चौहान परिवार, मन्दसौर

आज 151 ढोल व बेण्ड की मधुर ध्वनि के साथ 201 दीपक से होगी बालाजी की महाआरती

भगवा पताकाओं व झिलमिलाती विद्युत सज्जा से सजा मंदिर

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पुराना बस स्टेण्ड स्थित श्री बड़े बालाजी मंदिर पर आज देव दिवाली 30 अक्टूबर को भगवान बालाजी महाराज के प्रकटोत्सव के उपलक्ष में 56 भोग लगाया जाएगा तथा 201 दीपक से विशाल शाही महाआरती की जावेगी। इस दौरान मंदिर क्षेत्र को भगवा पताकाओं व झीलमिलाती विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा जोरों से तैयारियां की जा रही है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा व प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि आज 30 अक्टूबर देव दिवाली पर प्रात: 11.30 बजे 151 थालों में 56 पकवान सजाकर बालाजी को भोग लगाया जाएगा। तत्पश्चात् सायं 7 बजे 201 दीपक से महाआरती की जाएगी। जिसमें न्यू किशोर बैंड के 101 साथी मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। महाआरती की शोभा अजयमेरू के ढोल, उज्जैन की तोप व ताशे, अहमदाबाद की शहनाई व मंदसौर के 151 ढोल बढ़ायेंगे एवं इस दौरान भव्य रंगारंग आतिशबाजी भी की जाएगी। मंदिर समिति के विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, हिम्मत डांगी, विनोद रूनवाल, जितेंद्र व्यास, दिनेश जोशी ऊँशांति, वर्दीचन्द कुमावत, राजाराम तंवर, कमल कण्डारे, हेमंत सुरा, अशोकपरमार, चोथमल शर्मा, अनूप माहेश्वरी, अनिल सुराह, महेंद्रसिंह सिसोदिया, सज्जनलाल खमेसरा, कपिल सोलंकी, हरीश साल्वी ने सभी बालाजी भक्तों से उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

कालेज परिसर में पौधारोपण करें-उच्च शिक्षा मंत्री

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। उच्च शिक्षा, तकनीक शिक्षा एवं आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने राजीव गांधी महाविद्यालय सभागार में बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि कॉलेज परिसर में घना पौधारोपण करें। पौधे जीवित रहे। यह बहुत महत्वपूर्ण है। पौधे के साथ बच्चों में ज्ञान की वृद्धि होती है। सीखने की पद्धति को प्रकृति के साथ शुरू करें। पुस्तकालय में भारतीय संदर्भ से जुड़ी हुई पुस्तकें शामिल करे। मानव का प्रकृति के साथ संबंध के बारे में विद्यार्थी को बताए। तकनीकी से नवाचार करें। गांव पहले स्वावलंबी हुआ करते थे। गांव को भी टेक्नोलॉजी से जोड़े, कॉलेज में नए-नए तकनीकी प्रयोग करें।

मप्र स्थापना दिवस पर शासकीय भवनों पर तीन दिन रोशनी की जावेगी

नीमच, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राज्य् शासन के निर्देशानुसार सम्पूर्ण म.प्र. में स्थापना दिवस, भाईदूज व गोर्वधन पूजा के परिपेक्ष्य में निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881(1881 का क्रमांक 26) की धारा 25 के तहत एक नवम्बर 2024 को सभी शासकीय कार्यालयों व वित्तीय संस्थानों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश में 31 अक्टूबर 2024 से 2 नवम्बर 2024 तक सभी शासकीय भवनों पर रात्रि में रोशनी की जायेगी। जिला स्तर पर मध्य प्रदेश स्था.पना दिवस में मध्यप्रदेश केंद्रीत कार्यक्रमों का आयोजन एक से 3 नवम्बर 2024 तक किया जावेगा। स्वच्छता, सजावट, रंगोली केंद्रीत गतिविधियाँ, ऐतिहासिक स्मारकों, महापुरूषों की प्रतिमाओं, प्रमुख कार्यालयों के परिसरों की साफ-सफाई, स्व-सहायता समूहों के माध्यम से दीपावली से संबंधित सामग्री का क्रय, गो-शालाओं में गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। निर्धन बस्तियों में दीपावली मनाई जावेगी। दीपावली पर होने वाली आतिशबाजी के कचरे को हटाने के लिए सघन स्वच्छंता अभियान चलाया जायेगा। शासकीय अस्पतालों में मरीजों के लिए फल एवं मिठाई का वितरण तथा गरीब बस्तियों में मिठाई इत्यादि का वितरण स्थानीय संस्थाओं एवं एनजीओ के सहयोग किया जावेगा। प्रदेश में स्व-सहायता समूहों एवं कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित, उत्पादित वस्तुओं के क्रय, विक्रय हेतु भी समुचित प्रबंध किये जायेंगे।

अफीम नीति घोषित, कई...

पेज 1 से जारी

जिसमें लेंसिंग के माध्यम से रस नहीं निकाला जाता, में वे किसान पात्र होंगे, जिन्होंने फसल वर्ष 2023-24 के दौरान सीपीएस पद्धति से खेती की और तौल केन्द्र पर प्रति हैक्टेयर 675 किलोग्राम या उससे अधिक पोस्त भूसे की उपज पेश की हो वे किसान भी पात्र होंगे। इसी के साथ ही सीपीएस पद्धति के अंतर्गत जिन किसानों ने 675 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से कम दी उनके लायसेंस भी केवल 1 वर्ष के लिए ही रोके गए है, उन्हें पुन: सीपीएस पद्धति से खेती करने का मौका मिलेगा। ऐसे काश्तकार जिन्होंने फसल वर्ष 2023-24 में चीरा पद्धति द्वारा खेती की तथा अफीम फसल की औसत 3 किलोग्राम से अधिक और 4.2 किलोग्राम प्रति हैक्टैयर से कम प्रदान की है, वे इस वर्ष सीपीएस पद्धति में पात्र होंगे। सीपीएस पद्धति में भी सभी पात्र किसानों को केवल एक प्लॉट में 0.10 हैक्टेयर का लाइसेंस जारी किया जाएगा। यदि काश्तकार चाहे तो लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र को पूरा करने के लिए दूसरों की भूमि को पट्टेपर ले सकता है। जो काश्तकार इस नीति में पहली बार सीपीएस पद्धति के लिए खेती के पात्र हो गए हैं, उन्हें आगामी 5 वर्षों के लिए लाइसेंस जारी किए जाएंगे, जो कि फसल वर्ष 2024-25 से जारी होकर फसल वर्ष 2028-29 तक प्रभावी रहेंगे। वही मौजूदा लाइसेंस धारियों को ऐसे कागज जमा करवाने की आवश्यकता नहीं होगी, जिसकी जानकारी पहले से ही नारकोटिक्स विभाग के पास है। पिछले वर्ष के किसी भी बदलाव के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। ऐतिहासिक नीति पर सांसद सुधीर गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का आभार माना।

जावरा क्षेत्र में वाहन दुर्घटना में बचे शंकराचार्य

नीमच, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अनियंत्रित और अंधाधुंध गति से सामने की ओर से आ रही ब्लैक कलर स्कॉर्पियो से भानपुरा पीठ जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री ज्ञानानंद तीर्थ जी महाराज बड़ी मुश्किलों से बच पाए हैं। मंगलवार 29 अक्टूबर को शाम 6 बजे जावरा से भानपुरा जाते हुए यह वाकया हुआ है। परम् पुज्य स्वामी जी सकुशल हैं पर वाहन में नुकसानी हुई है। प्रभु कृपा और भक्तों की प्रार्थना से अनहोनी टल गई है।

जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी श्री ज्ञानानंदजी तीर्थ, भानपुरा पीठ (म.प्र.) जावरा में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने वाहन से भानपुरा की ओर लौट रहे थे। फोरलाईन हाईवे से 8 लाईन की ओर जाते समय उन्हेल रोड पर वाहन के आगे एक ट्रक चल रहा था तभी सामने की ओर से एक अनियंत्रित एवं तेज गति से आती हुई काले कलर की स्कॉर्पियो ने शंकराचार्य जी के वाहन के साईड ग्लास को तोडती हुई चली गई। स्कॉर्पियो की गति इतनी तेज थी कि कोई बडी दुर्घटना कारित हो सकती थी। किन्तु शंकराचार्यजी के वाहन चालक ने सूझबूझ से काम लेते हुए वाहन को नियंत्रित किया अन्यथा कोई बडा हादसा हो सकता था।

आयुर्वेद डॉक्टरों की रिटायरमेंट...

पेज 1 से जारी

वहां एयर एम्बुलेंस से डॉक्टरों की टीम भेजेंगे।

नीमच से झालावाड़ तक की सडक़ फोर लेन होगी–प्रदेश का मुख्य कार्यक्रम मंदसौर में हुआ। यहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहे। उन्होंने मध्यप्रदेश के 512 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को वर्चुअली नियुक्ति पत्र सौंपे। मंदसौर से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नीमच पहुंचे थे। यहां उन्होंने नीमच से झालावाड़ मार्ग को फोर लेन बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा, अब बाबा रामदेव की पतंजलि संस्था यहां की औषधि फसलें खरीदेगी। इसके लिए एमओयू साइन हुआ है। मुख्यमंत्री ने स्टूडेंटस के सवालों के जवाब भी दिए। मुख्यमंत्री मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे नीमच हवाई पट्टी पहुंचे। यहां से बाय रोड नीमच मेडिकल कॉलेज के लोकार्पण स्थल पर पहुंचे। जहां मेडिकल कॉलेज भवन और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

पीएम मोदी ने यह कहा–इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम देश की जनता को महंगे उपचार के बोझ से निकालकर रहेंगे। इसके लिए देशभर में 2 लाख से ज्यादा आरोग्य मंदिर खोले गए हैं, जहां कैंसर जैसी बीमारियों की भी जांच हो रही है। ई-संजीवनी योजना के तहत अब तक 30 करोड़ लोग स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से मुफ्त परामर्श ले चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के छह-सात दशक में जो काम नहीं हुआ, वो बीते 10 साल में किया। देश में रिकॉर्ड संख्या में नए एम्स और मेडिकल कॉलेज खोले गए। अस्पतालों की बढ़ती संख्या बताती है कि मेडिकल सीटें भी बढ़ रही हैं। आज एमपी, यूपी, कर्नाटक में मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ है। इंदौर में अस्पताल का लोकार्पण हुआ है। पीथमपुर में ईएसआईसी अस्पताल खुला है। प्रधानमंत्री ने 81 लाख किसानों के खाते में 1624 करोड़ रुपए की सहायता राशि भी ट्रांसफर की।

शहर में ढेरो सोनोग्राफी सेंटर, बड़े अस्पताल में सुविधा नहीं!

मंदसौर, 29 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर को मेडिकल हब बनाने का दावा करने वाले जनप्रतिनिधि ढाई साल से बड़े अस्पताल को रेडियोलॉजिस्ट तक नहीं दिलवा पा रहे हैं। ऐसे में सोनोग्राफी सुविधा बंद है। वहीं, पूर्व में जिन रेडियोलॉजिस्ट ने ज्वॉइन किया वे दोगुना वेतन व स्वतंत्र रूप से कार्य करने के करण निजी क्षेत्र में चले गए। स्थिति यह है कि बीते पांच साल में 10 नए सोनोग्राफी सेंटर खुल गए है। किन्तु, इन्हे अनुमति देने वाले बड़े अस्पताल में सोनोग्राफी सुविधा शुरू नहीं करा पा रहा रहे हैं। नतीजा यह है कि सुविधा के लिए मरीजों को मजबूरन हजारों रुपए चुकाने पड़ रहे है। इस खेल के बीच सेंटर संचालकों की लाखों में कमाई हो रही है।

बता दें कि जिले में 35 सोनोग्राफी सेंटर पंजीकृत हैं। इनमें से बड़े अस्पताल सहित गरोठ व शामगढ़ में कुल 3 सेंटर शासकीय हैं। जबकि, 32 निजी हैं। इसमें से अधिकतर शहर में ही हैं। बीते पांच साल में ही 10 नए सेंटर खुल गए हैं। जबकि, बड़े अस्पताल में 3 जुलाई 2022 को रेडियोलॉजिस्ट के त्याग-पत्र के समय से ही पद रिक्त है। हालांकि बीच में डेढ़ माह 8 निजी रेडियोलॉजिस्ट भी दो घंटे फ्री सेवा देने के लिए राजी हुए। बाद में उन्होंने भी असमर्थता जाहिर कर दी। इसके बाद हाल ही में कुछ समय महिला चिकित्सक ने निशुल्क सेवा दी। अब वह भी चली गई। अब अधिकारी पत्राचार तो जनप्रतिनिधि आश्वासन देने में व्यस्त हैं। बता दें कि जिला स्तर पर सलाहकार समिति द्वारा पीसीपीएनडीटी - एक्ट के तहत सोनोग्राफी सेंटर की अनुमति दी जाती है।

सवा लाख रूपए माह में पड़ता रेडियोलॉजिस्ट...

मानदेय वृद्धि के बाद संविदा के तौर पर नियुक्त होने वाले रेडियोलॉजिस्ट को करीब सवा लाख रुपए वेतन प्रतिमाह मिलता है। परमानेंट रेडियोलॉजिस्ट को 5400 ग्रेड पे के हिसाब से करीब 60 से 70 हजार रुपए प्रतिमाह, यह वेतन वरिष्ठता के आधार पर बढ़ता जाता है। सेवानिवृत्ति से पूर्व वेतन करीब 2 लाख के करीब पहुंच जाता है। इधर, निजी क्षेत्र में लैब संचालक करीब 2 से 3.50

लाख रुपए प्रतिमाह के मान से रेडियोलॉजिस्ट को नियुक्त कर लेते हैं। हर निजी लेब में कम से कम 1500 से 3 हजार रुपए तक की जांच के मान से रोज 25 से 30 मरीज पहुंचते हैं। यही कारण है कि अधिकतर रेडियोलॉजिस्ट ने त्याग-पत्र देकर निजी क्षेत्र चुन लिया।

धनतेरस पर बाजार में...

पेज 1 से जारी

में चहल-पहल रही। धनतेरस पर लोगों ने चांदी का सिक्का, पीतल व कांसे के बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदकर परंपरा का निर्वहन किया। व्यवसायियों के अनुसार दिनभर लोगों ने अच्छी खरीददारी की। इस वर्ष नॉन स्टिक बर्तनों की मांग अधिक रही। सोने-चांदी के आभूषणों और बर्तन की दुकानों पर 4 करोड़ से अधिक का व्यवसाय हुआ। इसके साथ ही सजावटी सामान के साथ ही कपड़ा बाजार और अन्य दुकानों पर सवा से डेढ़ करोड़ रूपए से अधिक का व्यवसाय हुआ।

कुबेर मंदिर में लगा भक्तो का तांता–धनतेरस पर खिलचीपुरा स्थित कुबेर मंदिर में सुबह से लेकर देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहा। कतार में लगकर लोगों ने दर्शन कर पूजा अर्चना की। सुबह से ही भक्तों के आने का सिलसिला शुरु हो गया था। बता दे कि खिलचीपुरा में भगवान कुबेर का अतिप्राचीन मंदिर है। मंदिर में भगवान गणेश व माता पार्वती की मूर्तियां भी हैं। कुबेर के साथ धौलागिरि महादेव व गणेशजी की प्रतिमा भी विराजित हैं। धन तेरस पर हवन व महाआरती का आयोजन भी होता है।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/पु.अ./मंदसौर/र.नि./सूबे./3338/2024 दिनांक–25.10.2024

❁❁ खुली निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति ❁❁

जिला मंदसौर में वित्तीय वर्ष 2024-25 विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण अंतर्गत निम्न मरम्मत कार्य कराये जाने हेतु ऑनलाईन खुली निविदाएं समय सारणी अनुसार www.MPTenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। मरम्मत कार्यों का विवरण निम्नानुसार है।

क्रं.	प्रस्तावित कार्य का नाम	स्वीकृत राशि	धरोहर राशि	कार्य की अवधि	कार्यालय
1	थाना कोतवाली प्रशासकीय भवन की विशेष मरम्मत	4,99,627/-	14,989/-	30 दिवस	पुलिस अधीक्षक

समय सारणी

क्रं.	विवरण	दिनांक/समय
1	निविदा प्रकाशन दिनांक	28.10.2024 के 12.00 बजे से
2	निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	29.10.2024 के 10.00 बजे से
3	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	11.11.2024 के 17.00 बजे तक
4	निविदा खोलने की दिनांक	13.11.2024 के 11.00 बजे

अतः उपरोक्त मरम्मत कार्य का टेण्डर www.MPTenders.gov.in की वेबसाईड पर प्रसारित किये गये है। इच्छुक निविदाकर्ता अधिक जानकारी के लिए समस्त दस्तावेज, निविदा शर्ते उक्त वेबसाईड एवं रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन मंदसौर से प्राप्त कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक
जिला मंदसौर

G-18352/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक LIG.A-86 जो श्रीमती इंदिरा दुबे पति श्री बंशीलाल दुबे को मण्डल आदेश क्रमांक 4931 दिनांक 02.06.1983 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 13.12.1999 को उप पंजीयक कार्यालय में निष्पादित किया करवाया गया था। श्रीमती इंदिरा दुबे पति श्री बंशीलाल दुबे का स्वर्गवास दिनांक 29.01.2023 एवं इनके पति श्री बंशीलाल दुबे पिता श्री ओंकार लाल दुबे का स्वर्गवास दिनांक 26.08.2016 को हो जाने से इनके पुत्र श्री नितिन राजोरा पिता स्व. श्री बंशीलाल राजोरा अपनी बहन श्रीमती नीलिमा पति श्री आलोक की सहमति एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री नितिन राजोरा पिता स्व. श्री बंशीलाल राजोरा अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री नितिन राजोरा पिता स्व. श्री बंशीलाल राजोरा के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गाधीनगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.III-123 श्रीमती स्नेहलता सोनगरा पति श्री नितिन देवड़ा को मण्डल आदेश क्रमांक 1568 दिनांक 03.09.2020 द्वारा नामांतरित किया गया था। श्रीमती स्नेहलता सोनगरा पति श्री नितिन देवड़ा द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती सुनीता चौहान पति नितेश चौहान को कर विक्रय पत्र दिनांक 23.06.2023 को उप पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर भवन का नामांतरण श्रीमती सुनीता चौहान पति नितेश चौहान अपने नाम करवाना चाहती है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे, समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमती सुनीता चौहान पति नितेश चौहान के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

हमारे यहां शुद्ध देशी घी की सोहन पपड़ी, घेवर, फीनी, इमरती, मावा, पनीर, चक्का एवं सभी प्रकार की शुद्ध दूध एवं मावे की मिठाईयां हर समय तैयार मिलती है।

शुभम् स्वीट्स
जनकुपुरा मंदसौर

दीपोत्सव पर्व की बधाईयां

दीपावली के त्यौहारों पर मनुहारी व्यंजनों की विशाल सौगात शुद्धता की पूर्ण गारंटी के साथ

राधा स्वीट्स की स्पेशल

शुद्ध देशी की सोहन पपड़ी आकर्षक गिफ्ट पेकिंग में 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलो में उपलब्ध

अंजीर बर्फी, मक्खन बर्फी, आईस्क्रीम बर्फी, काजु कतली, रस गुल्ला, रस मलाई, बंगाली मिठाईयां, बादाम बर्फी, केशर बर्फी, संगम बर्फी, मलाई बर्फी, घेवर, फीनी, इमरती, मावा, पनीर सहित अन्य मिठाईयां हर समय उपलब्ध।

❁ विशेष- रात्रि को केसरिया दूध उपलब्ध रहता है।

राधा स्वीट्स
कालाखेत, मन्दसौर (म.प्र.) फोन न. 07422- 221229
मो. 9425949395, 9425107482

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in